THE UNIVERSITY OF BURDWAN
FINAL EXAMINATION – 2021
SEMESTER- V
SUBJECT- HINDI
PAPER- CC11

भारतीय और पाश्चात्य काव्यशास्त्र

Time -3 Hrs. Full Marks- 60

The figures in the margin indicate full marks.
Candidates should answer in there onwards and adhere to the words limit as practicable.

1. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं छः का उत्तर दीजिए । **6X5=30**

(क) काव्यशास्त्र के स्वरूप पर प्रकाश डालिए।
(ख) भारतीय काव्यशास्त्र में किन-किन संप्रदायों का प्रवर्तन हुआ है?
(ग) 'करुण रस का आस्वाद'का सामान्य परिचय दीजिए ।
(घ) 'अभिव्यंजनावाद के अभिप्राय' को स्पष्ट कीजिए।
(ङ) 'साधारणीकरण' से क्या तात्पर्य है?
(च) 'वक्रोक्ति काव्य की वस्तुपरक व्याख्या है' इसका मत को स्पष्टकीजिए।
(छ) 'काव्य-हेतु'से क्या अभिप्राय है?
(ज) 'काव्य-विरेचन' से क्या अभिप्राय है?

1. निम्नलिखित में से किन्हीं तीन प्रश्नों का उत्तर दीजिए। **3X10=30**

(क) काव्य दोष किसे कहते हैं? काव्य दोष का सोदाहरणविवेचन कीजिए और बताइए कि दोषों का परिहार किस प्रकार से होता है?
(ख) रस संप्रदाय के विभिन्न आचार्यों के मतों का उल्लेख करते हुए बताइए कि रस को काव्य की आत्मा और अभिव्यक्ति के रूप में माने जाने के पीछे आचार्यों का क्या दृष्टिकोण था?
(ग) अलंकार को काव्य की आत्मा माननेवाले आचार्यों का मत स्पष्ट कीजिए।
(घ) प्लेटो के अनुकरण सिद्धांत का विवेचन कीजिए।
(ङ) 'लोंजाइनस को पश्चिम का प्रथम स्वच्छंदतावादी समीक्षक कहा गया है'इस कथन के आधार पर उसकी उदात्त की अवधारण को स्पष्ट कीजिए।